Dr. Seema Kumari, Asst. Prof. (Pol. Sc.) RMC, VKSU

Date - 30.06.2021, BA(I), Subs.

स्वतंत्रता को संरक्षित करने वाले कारक

किसी भी मनुष्य की स्वतंत्रता को बनाए रखना आवश्यक है। जो कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता और राष्ट्रीय स्वतंत्रता दोनों पर लागू होती है। स्वतंत्रता की सुरक्षा के लिए कुछ दशाओं का होना वांछनीय और आवश्यक है जो निम्न हैं :-

1. आदर्श कानून - राज्य द्वारा ऐसे कानूनों का निर्माण होना चाहिए जो व्यक्तियों की स्वतंत्रता की रक्षा कर सके, व्यक्तित्व के विकास हेतु आवश्यक सुविधाएं प्रदान करें। मांटेस्क्यू 'स्वतंत्रता की रक्षा और हनन कानून की स्वभाव और इसके द्वारा दिए गए दंड की मात्रा पर निर्भर करती है।

2. विशेषाधिकार का अंत - समाज के कुछ व्यक्तियों को धर्म जाति या संपत्ति के आधार पर प्राप्त विशेषाधिकार का अंत होना चाहिए।

3. लोकतंत्रीय शासन - लोकतंत्र में जनता शासित होने के साथ साथ शासक भी होती है शासन की अंतिम सत्ता जनता में निहित होती है जिससे स्वतंत्रता का हनन नहीं हो सकता।

4. मूल अधिकार - व्यक्तिगत स्वतंत्रता का संविधान प्रदत्त हथियार जिसका प्रयोग नागरिक राज्य के विरुद्ध कर सकता है।

5. स्वतंत्र न्यायालय - न्याय सर्वजन सुलभ और शीघ्र होना चाहिए, निर्धन व्यक्ति निशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त कर सके।

Scanned with CamScanner

6. सतत जागरूकता – नागरिकों की जागरूकता आवश्यक है। लास्की 'नागरिकों की महान भावना न कि कानून की शब्दावली, स्वतंत्रता की वास्तविक सुरक्षा है।

7. शक्ति का पृथक्करण – एक ही हाथ में शक्तियों के एकीकरण को नहीं होना चाहिए।

8. आर्थिक न्याय – आर्थिक समानता

9. स्वतंत्र प्रेस – मानवीय चेतना के विकास के लिए

10. स्थानीय स्वशासन – लास्की 'राज्य में सत्ता का, शक्ति का जितना विकेंद्रीकरण और विस्तारण रहेगा मनुष्य में अपनी स्वतंत्रता के प्रति उतना ही उत्साह रहेगा'

<u>स्वतंत्रता तथा कानून में संबंध :–</u>

जॉन लॉक के अनुसार 'जहां कानून नहीं होता, वहां स्वतंत्रता भी नहीं हो सकती है'

विलोबी 'जहां नियंत्रण होती है वहीं स्वतंत्रता का अस्तित्व होता है'

जान लॉक, विलोबी, रिची, हॉकिंग के अनुसार कानून तीन प्रकार से स्वतंत्रता की रक्षा एवं वृद्धि करती है:-

1. राज्य के कानून व्यक्ति की स्वतंत्रता की अन्य व्यक्तियों के हस्तक्षेप से रक्षा करते हैं।

2. कानून साधारण कानून और संवैधानिक द्वारा व्यक्ति की स्वतंत्रता की राज्य के हस्तक्षेप से रक्षा करता है।

3. कानून नागरिकों सकारात्मक स्वतंत्रता प्रदान करने में सहायक है। राज्य द्वारा की गई शिक्षा की व्यवस्था, अधिकतम काम और न्यूनतम वेतनों के संबंध में कानूनी व्यवस्था, कारखानों में स्वस्थ जीवन सुविधाएं की व्यवस्था करना, जनस्वास्थ्य का प्रबंधन आदि द्वारा। ग्रीन ने 'करने योग्य कार्यों को करने की स्वतंत्रता' के नाम से पुकारा।

=

Scanned with CamScanner